दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान मुख्यतः अलाभकारी टैरिफ के कारण राजस्व घाटे की स्थिति का सामना कर रहा है। इसकी वर्षवार हानियों का ब्यौरा निम्नवत है:—

वर्ष	हानि (करोड़ रु० में)
1985-86	15.09
1986-87	64.08
1987-88	178.62
1988-89	174.79
1989-90 (अनन्तिम)	233.29
1990-91 (अनन्तिम)	200.09

वित्तीय स्थिति में सुधार किए जाने की दृष्टि से दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान ने 1.3.1991 से अपनी टैरिफ में संशोधन किया है। उठाए गए विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप, जिनमें ऊर्जा की चोरी के विरुद्ध व्यापक अभियान चलाना भी शामिल है, दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान ने सूचित किया है कि पारेषण एवं वितरण संबंधी हानियों की मात्रा जोकि 1987-88 में 30.78% थी 1990-91 में घटकर 19.68% हो गई है।

(घ) चालू वर्ष के दौरान दिल्ली को लगभग 800 मिलियन यूनिट ऊर्जा की आवश्यकता है जिसमें से दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान के अपने स्रोतों से विद्युत उत्पादन की मात्रा लगभग 200 मिलियन यूनिट है। शेष विद्युत बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र तथा अन्य बाह्य स्रोतों से खरीदी जाती है।

उत्तर प्रदेश में जलधारा योजना

3493. **श्री ईश दत्त यादव:** क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत दो वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में "जलधारा योजना" के अन्तर्गत क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान इन लक्ष्यों को किस सीमा तक प्राप्त किया जा सका है; और

(ग) इस संबंध में इस राज्य में आगामी वर्ष के लिए किए गए प्रावधानों का जिलावार ब्यौरा क्या है?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) से (ग) 13 राज्यों के अभिज्ञात किए गए सूखा प्रणत क्षेत्रों में छोटे किसानों को पम्पसैट उपलब्ध करवाने के लिए 1988-89 में भारत सरकार द्वारा एक-कालिक उपाय के रूप में "जलधारा योजना" शुरू की गई थी। यद्यपि, उत्तर प्रदेश के लिए इस स्कीम के अन्तर्गत 7,073 पम्पसैटों के लक्ष्य का प्रस्ताव था, किन्तु राज्य द्वारा इस स्कीम को हाथ में नहीं लिया गया था। यह स्कीम अब लागू नहीं है।

Shortage of coal at Raichur Thermal Power Project

3494. SHRI B.K. HARIPRASAD: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether Government have received representation from Karnataka Chief Minister in respect of shortage of coal at Raichur Thermal Power Project: and

(b) if so. details thereof indicating the corrective action taken or proposed to be taken to ensure adequate generation of power supply for industries?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir.

(b) Coal supply to various thermal power stations, including Raichur Thermal Power Station, is being regularly reviewed by a High Level Committee. Coal linkage to Raichur Thermal Power Station has been increased to 31500 tonnes per month since October. 1991. Power supply to various categories of consumers, including industries, is regulated by the respective State Government/State Electricity Board, depending upon the requirement and availability of power.

15 Point Programme for the Welfare of Minorities

3495. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL: Will the Minister of POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES be pleased to state:

(a) whether there are any committee in his Ministry for monitoring Implementation of the 15 Point Programme for the welfare of the Minorities; and

(b) if so, what are the details with regard to such Committee in the Ministry and the number of persons who have been provided with employment during

the past three years under this programme?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER AND NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) There is no Committee in the Ministry to monitor the implementation of the 15 Point Programme for the Welfare of the Minorties. Information about the number of persons who have been provided with employment during the past three years is being collected and shall be laid on the Table of the House.

गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग द्वारा प्रारंभ की गई अनुसंधान परियोजनाएं

3496. **डा॰ बापू कालदातेः** क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग ने हाइड्रोजन ऊर्जा कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है;

(ग) इस ऊर्जा का किन-किन क्षेत्रों में उपयोग किया जाएगा;

(घ) इस संबंध में कहां तक सफलता प्राप्त हुई है; और

(ङ) इसके ऊर्जा के रूप में कब तक उपयोग किए जाने की संभावना है?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) और (ख) जी हां। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत विभाग ने हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, उपयोग पहलुओं को शामिल करते हुए अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं प्रायोजित की हैं।

(ग) से (ङ) हाइड्रोजन एक सर्वतोमुखी ऊर्जा संवाहक है और इसे घरेलू औद्योगिक, परिवहन अनुप्रयोगों के साथ-साथ रॉकेटों और अन्तरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए फोटोबायोलोजिकल, फोटोइलेक्ट्रोकैमिकल और इलेक्ट्रोलिसिस प्रौद्योगिकियों से प्रयोगशाला स्तर पर महत्वपूर्ण परिमाण प्राप्त हुए हैं। हाइड्रोजन के भंडारण के लिए नई हाइड्राइड सामग्रियों का विकास किया गया और ऐसी सामग्रियों की भंडारण क्षमता में आगे और सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में एक दो पहिये वाली मोटर साईकिल को मेटल हाइड्राइड भंडारण युक्ति के प्रयोग से 25 किलोमीटर तक परीक्षण के तौर पर चलाया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में कम अश्व शक्ति वाले इंजन में हाइड्रोजन भरकर उसे चलाने का परीक्षण किया गया है। इन प्रौद्योगिकियों और इनके आर्थिक व्यवहार्यता में सुधार के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं जिनसे कि भविष्य में व्यापक परिणाम प्राप्त होने की आशा है।

DISCUSSION RE: DEMOLITION OF TEMPLES IN AYODHYA BY THE UTTAR PRADESH STATE AUTHORITIES IN DISREGARD TO HIGH COURT ORDERS

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): Madam, you are aware that both the Houses of Parliament were rocked on what was going on in Ayodhya. Yesterday, we had heard four hours of debate on this issue because this is an issue which not only concerns the House, but the entire nation. My partv had expressed very strong fellings on this issue yesterday and my entire party all over the country feels very strongly on it. *(Interruptions)* I had made a request to the Chairman as a Member of this House—and it is my right as a Member of this House for requesting and demanding—that the Question Hour be suspended on this very important national issue. I am very happy to note that it has been heard by the House. What is happening in Ayodhya is a very serious matter. *(Interruptions)* It is not just a question of one community. It is a question of Ram, Rahim, Krishna and all the different communities. We have to take all the communities with us and that is as per the Constitution of India. Yesterday, Mr. Sikandar Bakht very categorically stated that the UP Government has resolved that this place will be used for tourism development. A gross untruth has been told on the floor of this House because they are very much aware. And now the statement of the BJP is there which shows that it was an untruth. It has been verified by no less a person than the VHP Chief, Mr. Shinghal, who has said that the UP Government's permission amounts to building of the Ram Mandir. My party has said on many occasions that we have no objection...